email: shahardayaranews@gmail.com
दैनिक
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 225 | कानपुर, शनिवार 6 अप्रैल 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ विश्वकर्मा ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि, पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बढ़ोत्तरी हुई है जिसमें केवीके की महत्वपूर्ण भूमिका रही है उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया |इस कार्यक्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने उल्लास पूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के के की भूमिका की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-97 लखनऊ व एटा से प्रकशित शनिवार, 06 अप्रैल 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम ,लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ विश्वकर्मा ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी ,गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
कांग्रेस के घोषणा पत्र में 5 न्याय, 25 गारंटी 12 | महर्षि कश्यप सेवा समिति में कश्यप जयंती का... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 173
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper
शनिवार | 06 अप्रैल, 2024

निदेशक ने डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा को सौंपी मशाल

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विश्व विद्यालय कानपुर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ.आर.के. यादव ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा को मशाल सौंपी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. विश्वकर्मा ने सभी को बधाई देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता के बारे में बताते हुए कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि, पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में बढोत्तरी हुई है। जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी, गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया। इस कार्यक्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं, उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, शनिवार 06 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/4722

सीएसए के.वी.के. ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर, 05 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम, लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ विश्वकर्मा ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि, पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी, गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया। इस कार्य क्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने उल्लास पूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-39 कानपुर, शनिवार 6 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8

दैनिक
आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कानपुर मण्डल/आस/पास

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर । चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम ,लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ विश्वकर्मा ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी ,गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।

34.3°
अधिकतम
17.1°
न्यूनतम
www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD
खबर एक्सप्रेस

सीएसए के.वी.के. ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र लखीमपुर खीरी में आज स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। वर्ष 2024 कृषि विज्ञान केंद्र स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि देश का प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र 21 मार्च 1974 को पुडुचेरी में स्थापित किया गया था।कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष/ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर एस के विश्वकर्मा ने बताया कि आज केंद्र ने स्वर्ण जयंती समारोह धूमधाम से मनाया है। इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों के अतिरिक्त जनपद के प्रगतिशील कृषक /नवयुवक /कृषि विभाग के अधिकारी शामिल रहे।डॉक्टर विश्वकर्मा ने बताया कि स्वर्ण जयंती के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। तथा आपस में परिचर्चा भी की गई। इस अवसर पर डॉक्टर एन के त्रिपाठी, डॉक्टर जियालाल गुप्ता सहित कई जनपद के 50 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17 R.N.I. No. UPHIN/2013/54341

द स्वाई ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 | अंक 153 | हिन्दी दैनिक | लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1.00

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम ,लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ विश्वकर्मा ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बदोत्तरी हुई है। जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी ,गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।

अमर भारती
4 प्रदेश, 06 संस्करण
एक उम्मीद
पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शनिवार, 06 अप्रैल 2024 शक सम्व

केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम ,लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। इस समारोह कार्यक्रम के अवसर पर डॉ विश्वकर्मा ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद खीरी में गन्ने के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी ,गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 32 किसानों एवम नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है।